area and, whether provision has been made for the supply of adequate power and thirdly, in view of the commanding position that the Minister wants India to have, will he consider giving up the idea of export of alumina and see that every bit of it is manufactured into aluminium in the country?

SHRI BIJU PATNAIK: Sir, the hon. Member who had been a very competent Minister of Industries here as also a Member of the Planning Commission here, should know that the feasibility studies are being made and when these feasibility studies are in the hands of the Government, then only we would be able to plan investment. Possibly, when we talk of one million tonnes of aluminium metal, there is a need of—as Mr. Venkataraman knews well—nearly 2,500 M.W. of power. Recently for 600 M.W. hydroelectric power plant in that area, the Prime Minister put the foundation stone. Therefore, that is for the peaking load. Both in Andhra and in Orissa, there is unlimited coal reserve which will generate as much thermal power as we require and, when we talk of going in stages of one million tonnes of aluminium metal, I have no doubt that the planning of large power plants of 500 M.W. capacity, thermal capacity, would also form part of the package deal in terms of investment or credits or whatever we plan to obtain.

The second question was as to why we should export aluminina. As I said, on the basis of a feedback system of credit, for a few years, we have to export some quantity of alumina to obtain the credit for building these plants. This is the normal procedure. There is an estimate of more than 2 billion tonnes between Andhra and Orissa. The proven reserves are already nearly 700 million tonnes. I have no doubt that these reserves are world's biggest findings in bauxite. It is lucky we have it. We must exploit it to the best advantage of the nation. When today's total aluminium production is only 15 million tonnes in the world the capacity of 1 million tonne of India will give it a commading height. That is what I have said.

Early Motherhood

*806. SHRI ANNASHEB GOTKHINDE: Will the Minister of HEALTH AND FAMILY WELFARE be pleased to state:

(a) whether early motherhood is on the increase in the country;

(b) if so, the names of such States where the problem has assumed serious levels;

(c) whether Government have ascertained the factors contributing to the problem;

(d) if so, the nature of those factors; and

(e) the measures undertaken to minimise its severity?

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री (श्री राज नारायण) : (क) और (ख). महापंजीयक द्वारा 1972 में किये गये जनन क्षमता सर्वेक्षण के आधार पर प्रथम प्रसव के समय वाली मध्यम (मीडियम) आयु के अनुमान विवरण-1 में दिए गए हैं। मध्यम आयु गांवों में 21.04 वर्ष और नगरों में 21.84 वर्ष थी। एक लाख से भी अधिक जनसंख्या वाले कस्बों और शहरों में हुए जन्म-पंजीकरण के आधार पर 1962, 1971, 1972 और 1973 के जो अनुमान लगाए गए हैं, उनसे ज्ञात होता है कि प्रथम प्रसव के समय वाली मध्यम-आयु जो 1962 में 21.2 वर्ष थी, वह 1971–73 की अवधि में बढ़कर औसतन 22.2 वर्ष हो गई। राज्यवार अनुमान विवरण-2 पर दिए गए हैं।

मध्यम से तात्पर्य है कि 50 प्रतिशत प्रथम प्रसव तो उस आयु से अधिक में होते हैं और 50 प्रतिशत उस आयु से कम आयु में।

(ग), (घ) और (ङ). ये प्रश्न नहीं उठते । हाल ही के बाल-विवाह प्रतिबन्ध (संशोधन) अधिनियम से तो, जिसमें विवाह के समय की आयु बढ़ाने की व्यवस्था की गई है, अवश्य ही प्रथम प्रसव के समय वाली आयु और भी बढ़ जाएगी।

विवरण–I

क्रम सं०	राज्य/संघ शासित क्षेत्र	पहले प्रसव 1072 में मध्यम-आयु	
		ग्रामीण	नगरीय
1	2	3	4
1.	आन्ध्र प्रदेश	19.25	20.93
2.	असम	19.44	22.20
3.	मेघालय	21.00	—
4.	बिहार	20.63	19.60
5.	गुजरात	21.32	22.40
6.	हरियाणा	20.99	22.06
7.	हिमाचल प्रदेश	21.75	22.73
8.	जम्मू व काश्मीर	21.97	21.96
9.	कर्नाटक	19.84	21.16
10.	केरल	21.98	21.92
11.	मध्य प्रदेश	19.58	21.11
12.	महाराष्ट्र	21.04	22.07
13.	मणिपुर	22.50	22.50
14.	उड़ीसा	20.34	19.72
15.	पंजाब	22.53	22.44
16.	राजस्थान	20.85	20.93
17.	तमिलनाडु	22.07	22.50
18.	त्रिपुरा	21.25	24.17
19.	उत्तर प्रदेश	20.89	21.67
20.	पश्चिम बंगाल	19.30	21.52
21.	अण्डमान एवं निकोबार द्वीप समूह . . .	21.17	22.50
22.	अरुणाचल प्रदेश	23.10	—
23.	चण्डीगढ़	22.50	23.00

1	2	3	4
24.	दादर और नगर हवेली	19.42	—
25.	दिल्ली	21.45	22.63
26.	गोआ, दमन व दीव	20.99	23.82
27.	लक्ष्यद्वीप	20.00	—
28.	पांडिचेरी	21.79	22.08
	भारत	21.04	21.84

स्रोत : महापंजीयक 1972, जनन-क्षमता सर्वेक्षण

विवरण—2

1962, 1971, 1972 और 1973 के दौरान जिन नगरों की संख्या एक लाख से अधिक थी, उनमें पहले प्रसव के समय महिलाओं की आयु ।

क्रम सं०	राज्य/संघ शासित क्षेत्र	1962	1971	1972	1973
1	2	3	4	5	6
1.	आन्ध्र प्रदेश . .	19.6	19.9	20.4	20.9
2.	असम . . .	अनु०	22.0	21.6	21.7
3.	बिहार . . .	20.7	अनु०	अनु०	21.6
4.	गुजरात . .	22.2	23.2	22.7	22.7
5.	जम्मू व काश्मीर . .	अनु०	20.7	20.1	21.0
6.	कर्नाटक . .	20.4	21.3	21.3	21.6
7.	केरल . . .	21.6	22.1	22.0	22.2
8.	मध्य प्रदेश . .	20.6	21.7	21.6	22.1
9.	महाराष्ट्र . .	22.8	23.3	23.1	23.3
10.	मेघालय . .	अनु०	21.1	अनु०	23.0
11.	उड़ीसा . .	19.7	20.1	20.2	20.5
12.	पंजाब . . .	अनु०	21.8	22.3	21.7
13.	राजस्थान . .	21.2	22.6	अनु०	23.0
14.	तमिलनाडु . .	20.5	21.5	21.3	21.6
15.	उत्तर प्रदेश . .	20.3	अनु०	21.3	21.9

1	2	3	4	5	6
16.	पश्चिम बंगाल . .	20.0	22.0	22.4	22.6
17.	चण्डीगढ़ . .	अनु०	22.9	23.0	23.0
18.	दिल्ली . . .	21.3	28.0	22.7	22.5
	अखिल भारत . .	21.2	22.2	22.0	22.3

स्रोत :— इसका आधार सिविल पंजीयन के वे प्रकाशित अथवा संकलित आंकड़े हैं जो भारत के महापंजीयक द्वारा "भारत के जन्म-मरण आंकड़े—1962, 1971, 1972 और 1973" प्रकाशनों में दिये गये हैं ।

अनु० :— अनुपलब्ध ।

SHRI ANNASAHEB GOTKHINDE: Mr. Speaker, I seek your protection. Part (b) of my question has not been answered. I will explain how. I want to quote some information:

> "Close to 13 million of the 60 million women who became mothers in 1975 became parents before they became adults. This is one of the findings of the First Interhemispheric Conference on Adolescent Fertility held in Virginia. The evidence presented indicates that early motherhood is increasing everywhere, emerging as a serious problem in some countries, or reaching alarming levels in others."

Sir, 13 million out of 60 million comes to about 20 per cent and the findings given by this Conference are that the problem has been reaching an alarming proportion throughout the world.

MR. SPEAKER: The world average may be different from the Indian average.

SHRI ANNASAHEB GOTKHINDE: Let the Minister say so. Let the Minister give the names of those States where the problem has assumed serious level.

Then, Sir, the statement given by the Minister is incomplete. Whereas the first statement gives the figures for the year 1972 and does not give the figures relating to the year 1962 the second statement gives the figures for both 1962 and 1972. So, the answer is not complete. Further, Sir, in respect of Bihar, Meghalaya, Rajasthan and Uttar Pradesh it is mentioned that the information is not available for the years 1971 and 1972.

Therefore, I want to know whether Government is prepared to accept the findings mentioned by me earlier and come to the conclusion that the problem has assumed serious proportions in some of the States in the country.

श्री राज नारायण : हमारे माननीय सदस्य कुछ बुद्धि विभ्रम में फंस गए हैं । जब सारी दुनिया के मुल्कों का टोटल करके एवेज निकाला जाएगा तो वह कुछ आएगा और जब केवल भारत के राज्यों का निकाला जाएगा तो वह कुछ दूसरा आएगा । भारत की पर कैपिटा इनकम अगर आठ सौ है । और सारे विश्व के मुल्कों की जोड़ कर अगर आप निकालेंगे तो वह कुछ बढ़ जाएगी और हो सकता है कि डेढ़ हजार हो जाए । सवाल बिना समझे पूछा जाए तो सदन के समय का दुरुपयोग होता है । मैं अपने मित्र की तथा

सारे सदन की जानकारी के लिए आपके माध्यम से बता देना चाहता हूं कि प्रश्न अवश्य सीरियस है । ऐसा नहीं है कि हम इस प्रश्न को सीरियस नहीं समझते । इसीलिए हमारी सरकार नें अभी अभी नया कानून बनाया है जिस में लड़की की उम्र पहले पंद्रह साल थी अब उसकी उम्र अठारह साल शादी की कर दी है । लड़के की पहले 18 साल थी और अब उसको कर दिया है 21 साल । इन तमाम बातों को समझते हुए शादी की उम्र बढ़ा दी है । इस उम्र को बढ़ाने से भी हमारी समस्या कुछ सुलझेगी क्योंकि एक खास समय होता है और जो लोग इसके जानकार हैं वे जानते हैं कि 20 से ले कर 28 या 22 से ले कर 28—कई जगह कई प्रकार की रिपोर्टस हैं—लेकिन मोटे तौर पर मैं बताऊं कि 20 से ले कर 28 तक का ऐसा समय रहता है जिस में कि गर्भ धारण आसानी से होता हैं और इस पीरियड को हम बचाना चाहते हैं । इसलिए हम धीरे धीरे मेरेज एज को बढ़ा रहे हैं । मालूम नहीं हमारे सम्मानित मित्र नें कहां से फिगर्ज ली हैं । मैं उनकी जानकारी के लिए बता देना चाहता हूं कुछ प्रान्तों की बात । आंध्र प्रदेश को आप लें । प्रथम शिशु जिस उम्र में होते हैं वह मध्यम मान लिया गया । और उसके ऊपर 50, हम कहते हैं कि सारी जो फ़िगर हमारे पास हैं उसके मुताबिक प्रथम शिशु इस उम्र से 50 फ़ीसदी अधिक होते हैं, और इससे कम होते हैं ।....

अध्यक्ष महोदय : राजनारायण जी, आपने स्टेटमेंट दे दिया । You need not repeat.

श्री राज नारायण : वह है कि कुछ राज्यों के बारे में गलत फ़िगर दे दी ।

MR. SPEAKER: For some States, you have given figures. You need not give the figures again.

SHRI RAJ NARAIN: I have given figures for all the States.

SHRI ANNASAHEB GOTKHINDE: He has referred to the Child Marriage Restraint (Amendment) Act. In spite of the enactment of the said Act, we are witnessing a good number of child marriages in some States. Child Marriages are in vogue in many States such as Rajasthan and in some other States. The population growth is increasing in our country. What steps are being taken by the Government to minimise this particular sort of infringement of the Act?

श्री राज नारायण : माननीय सदस्य को पहले ही बता दिया कि कम उम्र, छोटी उम्र, चाइल्ड रहे बच्चे न पैदा हों इसकी पूरी कोशिश कर रहे हैं । इसी बात को मद्देनजर रखते हुए 15 से 18 साल लड़की की और 18 से 21 साल लड़के की उम्र कर दी गई । माननीय सदस्य क्यों नहीं समझ रहे हैं ? मैं उस कठिनाई को नहीं समझ पाया, उस उलझन को जो, हमारे मित्र को परेशान कर रही हैं । कृपा कर के जरा उलझन की गुत्थी खोल दी जाय । क्या सम्मानित सदस्य चाहते हैं कि छोटी उम्र में ज्यादा बच्चे पैदा हों? क्या वह चाहते नहीं कि ज्यादा बच्चे न पैदा हों ? ग्रोथ आफ पौपुलेशन पर बैक लगे ? क्या चाहते हैं ?

SHRI ANNASAHEB GOTKHINDE: Sir, he has not answered my question.

MR. SPEAKER: The act was passed only recently.

SHRI RAJ NARAIN: This is the most appropriate way of answering questions. You please read the Parliamentary Practice of other countries.

श्री हुकम चन्द कछवाय : माननीय अध्यक्ष जी, मैं आपके माध्यम से मन्त्री जी से जानना चाहता हूं अभी उन्होंने इस प्रश्न के उत्तर में हाल में जो कारण बना है उसका उल्लेख किया है । इसमें दो मत नहीं हैं । उस कारण को बिहार, उत्तर प्रदेश, राजस्थान और मध्य प्रदेश में ठीक प्रकार से लागू किया जायगा यह सन्देह का विषय है । क्योंकि

ऐसा नाजुक विषय है बाल विवाह वहां न हो इससे काफी जन असन्तोष भड़केगा। ऐसी परिस्थिति में इन प्रान्तों के अन्दर कम आयु में बच्चे पैदा न हों उसके लिये सरकार ने कोई विशेष योजना बनाई है? या कोई अगर बालविवाह को न रोक सके वैसी परिस्थिति में ऐसी औषधियां देना आवश्यक होगा जिसका प्रभाव 18 साल की उम्र तक रहे। ऐसी कोई योजना है जिससे 18 साल के बाद ही बच्चे हों, ऐसा कोई उपाय करने जा रहे हैं क्या?

MR. SPEAKER: Earlier it was a non-cognizable offence. I think under the new Law, it is a cognizable offence. It is just for information.

श्री हुकम चन्द कछवाय : राजस्थान, मध्य प्रदेश, बिहार और उत्तर प्रदेश में इसको नहीं माना जाता। यदि जबरदस्ती की तो असन्तोष भड़केगा। ऐसी परिस्थिति में सरकार क्या करने जा रही है?

श्री राज नारायण : श्रीमन् मैं आपका बड़ा अनुग्रहीत हूं कि आपने आधे प्रश्न का जवाब तो दे दिया।

MR. SPEAKER: I only gave you the information.

SHRI RAJ NARAIN: But that is a real information. कि पहली बार भारत की सरकार ने काग्नी-जेबिल आफेंस बनाया है, अगर 15 साल से कम और 21 साल से कम उम्र की लड़की और लड़का क्रमशः शादी करते हैं। इससे पहले काग्नीजेबिल आफेंस था ही नहीं। माननीय सदस्य ने शारदा एक्ट की बात कही है। शारदा एक्ट की दुर्दशा हम सब जानते हैं। इसी लिए भारत सरकार ने सोचा कि अब इसको काग्नीजेबिल आफेंस बना दें, और इस को काग्नीजेबिल आफेंस बना दिया गया है। लेकिन उस में भी हमने जनता की परेशानी को मद्देनजर रखा है, और यह व्यवस्था की है कि शादी होते समय पुलिस काग्नीजेन्स लेगी, लेकिन गिरफ्तारी नहीं करेगी।

कछवाय साहब पण्डित आदमी हैं। वह सिन्दूर भी लगाते हैं। मैं उन से पूछना चाहता हूं कि वह हम से चाहते क्या हैं। तमाम वेद, उपनिषद्, रामायण और महाभारत यह शिक्षा दे रही हैं कि ब्रह्मचर्य धारण करो, इन्द्रिय-निग्रह करो। लेनिन ने कहा है कि अनब्राइडल्ड सेक्सुएल लाइफ इज़ बूर्जवा—वह प्रालिटेरियट नहीं है, वह गरीब नहीं है, वह बूर्जवा है। इस की सब से बड़ी दवा आत्म-नियन्त्रण है। अगर आत्म नियन्त्रण रखोगे, तो सारा मामला सट जायेगा, नहीं तो मामला नहीं सटेगा।

श्री हुकम चन्द कछवाय : अध्यक्ष यहोदय

MR. SPEAKER: He told you; you should observe brahmacharya.

श्री हुकम चन्द कछवाय : अध्यक्ष महोदय मैं ने कहा है कि देहात में दस बारह साल की उम्र में शादियां होती हैं। मैं ने प्रान्तों के नाम गिनाये हैं। मैं ने यह पूछा है कि क्या शादी होने के बाद उन-लोगों को कोई ऐसी औषध दी जायेगी कि अठारह साल की उम्र तक उन के बच्चे न हों।

अध्यक्ष महोदय : श्रीमती अहिल्या पी० रांगनेकर।

श्रीमती अहिल्या पी० रांगनेकर : अध्यक्ष महोदय, मन्त्री महोदय द्वारा जो फिगर्ज दी गई हैं, उन के बारे में जांच होनी चाहिए, क्योंकि जो **मीडियम एज एट फर्स्ट मेटर्निटी** की फिगर्ज दी गई हैं, उन में बिहार की रूरल एज 20.63 और अरबन एज 19.60 दी गई है। क्या आप समझते हैं कि देहात में ज्यादा उम्र में बच्चे पैदा होते हैं और शहरों में कम उम्र में? **(व्यवधान)** 1971, 1972 और 1973 की जो फिगर्ज दी गई हैं, उन के बारे में कहा गया है कि **दीज फीगर्स आर बैस्ड आन सिविल रजिस्ट्रेशन डेटा।**

देहात में कौन रजिस्ट्रेशन कराने के लिए जाता है ? दो दिन पहले जो विमेन लेजिस्लेटर्स की कांफ्रेंस हुई थी, उस में नये डैटा रखे गये थे कि पहला बच्चा होने के समय औरतों का डैथ रेट बढ़ रहा है, क्योंकि कम उम्र में बच्चा पैदा होता है। इस लिए मैं नहीं मानती हूं कि ये सच्ची फिगर्ज हैं। (व्यवधान) इस लिए फर्टिलिटी सरवे की इन फिगर्ज को फिर से एग्जामिन करना चाहिए। अगर सदन को इस तरह की फ़िगर्ज दी जाती हैं, तो यह तो सदन को गुमराह करना है। इस लिए मैं मन्त्री महोदय से यह जानना चाहती हूं कि क्या वह इन फ़िगर्ज की जांच करेंगे, वर्ना हमारे देश की सच्ची हालत सदन के सामने नहीं आयेगी। औरतों के बारे में यह सवाल बहुत गम्भीर है। औरतों की मृत्यु-संख्या बढ़ रही है और इस बारे में हैल्थ मिनिस्ट्री को शीघ्र ही कदम उठाना चाहिए।

श्री बसन्त साठे : क्या मन्त्री महोदय खुद ब्रह्मचारी हैं ?

श्री राज नारायण : मैं माननीय सदस्या का अनुगृहीत हूं कि उन्होंने एक बहुत ही जरूरी प्रश्न की ओर हमारा ध्यान आकर्षित किया है। उन्होंने जो प्रश्न उठाया है, इस की जांच हम करायेंगे कि क्या ये आंकड़े सही हैं या गलत हैं। हमारे दिमाग में इस तरह की शंका उत्पन्न हुई थी। (व्यवधान) आप जरा ध्यान से सुनिये (व्यवधान)

At that time I was in the Opposition You do not play the role of the Opposition. You are in the ruling Party.

लास्की कहता था : The duty of the Opposition is not only to criticise the Government, but also to change the Government and repudiate the Government.

SHRI RAGHAVALU MOHANARANGAM: When the Minister has doubts about the statistics, what is the point in giving such statistics on the floor of the House?.... (*Interruptions*).

MR. SPEAKER: He has given the figures supplied to him by the Department. He can say "I will get it re-examined."

श्री बसन्त साठे : मन्त्री जी ने कहा कि उनके दिमाग में शंका आई तो यह बहुत गम्भीर आरोप है (व्यवधान)

श्री राज नारायण : ऐसा लगता है कि सम्मानित सदस्य कांग्रेस (आई) में हैं। मैं यह कह रहा था कि जैसी शंका माननीय सदस्य को हुई थी उसी प्रकार की शंका मेरे मन में भी हुई थी इसलिए हमने इसके बारे में जांच की। उसका नतीजा यह आया कि बिहार के शहर और दूसरे शहरों में बड़ा अन्तर है। बिहार के शहरों का जो सोशल स्ट्रक्चर है वह कुछ भिन्न है बनिस्बत वाराणसी के (व्यवधान)

Let me have my full say. Why do you interrupt? You must have some patience. Hear me first.

सवाल यह है कि माननीय सदस्य उत्तर सुनना पसन्द करेंगे या नहीं। मैं फिर से जांच कराऊंगा, यह मैं ने कह दिया है लेकिन सदन के सम्मानित सदस्यों की जानकारी के लिए मैं कह रहा हूं कि इसकी जांच हमने दफ्तर में भी की। मैं ने कहा कि इस आंकड़े की फिर से जांच हो जानी चाहिए।

MR. SPEAKER: Mr. Raj Narain, you have already answered the question.

SHRI RAJ NARAIN: I have answered the question. But I wanted to give them more information.

MR. SPEAKER: No, No. Only the answers.

(*Interruptions*)

MR. SPEAKER: May I request the Minister to answer only the question? There will be interesting debate on other things. I think, you have answered the question. No more. I call the next question.